



भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जावरा
(सम्बद्ध: सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन)

2025-26



project report

**"ग्रामीण सशक्तीकरण: पंचायत राज एवं सरकारी योजनाओं
के प्रति जन- जागरूकता एवं सहयोग"**

(ग्राम बोरदा, बन्नाखेड़ा, आक्याबेनी, माऊखेड़ी, नयानगर, दूधाखेड़ी, मोकाखेड़ा, माखनपुरा, इस्लामनगर
NSS कैप ग्राम :- बंडवा, बाराखेड़ा, माऊखेड़ी, हरियाखेड़ा के विशेष सन्दर्भ में)

मार्गदर्शक :

असिस्टेंट प्रो. श्यामलाल चौधरी
रा. से. यो. (बालक वर्ग- 1)

प्रस्तुतकर्ता :

राजकुमार चंद्रवंशी
एम.ए. (अर्थशास्त्र) द्वितीय सेमेस्टर

+91 9981114376

242, Gram Borda, Jaora

rajvartiya43@gmail.com

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)



"मैं नहीं, आप"

project report

Session 2025 - 2026

"ग्रामीण सशक्तीकरण: पंचायत राज एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जन- जागरूकता एवं सहयोग" >>>

(ग्राम बोरदा, बन्नाखेड़ा, आक्याबेनी, माऊखेड़ी, नयानगर, दूधाखेड़ी, मोकाखेड़ा, माखनपुरा, इस्लामनगर ,
NSS कैप ग्राम :- बंडवा, बाराखेड़ा, माऊखेड़ी, हरियाखेड़ा के विशेष सन्दर्भ में,)

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन

की
"सी" प्रमाणपत्र- परीक्षा हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य
(वर्ष: 2025-2026)

मार्गदर्शक :

असिस्टेंट प्रो. श्यामलाल चौधरी
रा. से. यो. (बालक वर्ग- 1) भगत
सिंह शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, जावरा

प्रस्तुतकर्ता :

राजकुमार चंद्रवंशी
एम.ए. (अर्थशास्त्र) द्वितीय सेमेस्टर
भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, जावरा

इकाई

>>> भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जावरा



भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जावरा

(सम्बद्ध: सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन)

(राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ)

स्वयंसेवक का घोषणा- पत्र

मैं, राजकुमार चंद्रवंशी, यह घोषणा करता हूँ कि "ग्रामीण सशक्तीकरण: पंचायत राज एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जन- जागरूकता एवं सहयोग" शीर्षक वाली यह परियोजना रिपोर्ट मेरी अपनी मौलिक रचना है। मैंने इसे पूर्व कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया, प्रो. नारायण पाटीदार के कुशल मार्गदर्शन एवं परामर्श में भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जावरा की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई-1 (बालक वर्ग) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 में पूर्ण किया है।

मैंने इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के अंतर्गत कुल 120 घंटे की स्वैच्छिक सेवा प्रदान की है। मैंने अपनी सेवा के 4 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं और मैं एनएसएस 'सी' प्रमाणपत्र के लिए निर्धारित सभी पात्रता शर्तों को पूरा करता हूँ।

मैं यह भी पुष्टि करता हूँ कि मेरे ज्ञान के अनुसार प्रदान की गई समस्त जानकारी पूर्ण रूप से सत्य और सटीक है। इस परियोजना रिपोर्ट में किसी भी ऐसे कार्य का कोई भाग शामिल नहीं है जिसे उचित संदर्भ के बिना इस विश्वविद्यालय में एनएसएस 'सी' प्रमाणपत्र प्राप्त करने हेतु पहले कभी प्रस्तुत किया गया हो।

दिनांक: 08/05/2026

स्थान: जावरा

स्वयंसेवक के हस्ताक्षर:

राजकुमार चंद्रवंशी

एम.ए. (अर्थशास्त्र) द्वितीय सेमेस्टर



"मैं नहीं, आप"



भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जावरा

(सम्बद्ध: सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन)

(राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ)

संस्था का घोषणा पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि राजकुमार चंद्रवंशी, इस संस्थान के एक नियमित छात्र हैं। इनके द्वारा प्रस्तुत परियोजना रिपोर्ट, जिसका शीर्षक "ग्रामीण सशक्तीकरण: पंचायत राज एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जन- जागरूकता एवं सहयोग" सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ (NSS) 'सी' प्रमाणपत्र की आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति हेतु तैयार की गई है।

यह रिपोर्ट राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के दिशा-निर्देशों एवं संस्थान के पर्यवेक्षण (Supervision) के अंतर्गत छात्र के मौलिक कार्य का एक प्रमाण है। परियोजना रिपोर्ट में प्रस्तुत कार्य इनके शोध एवं अध्ययन का एक संतोषजनक विवरण है और इसे राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ (NSS) परियोजना मूल्यांकन हेतु अनुशंसित (Recommended) किया जाता है।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

दिनांक: 08/05/2026

स्थान: जावरा



प्राचार्य के हस्ताक्षर :

डॉ. ए.जी. पठान

भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, जावरा

कार्यक्रम अधिकारी के हस्ताक्षर :

असिस्टेंट प्रो. श्यामलाल चौधरी

रा. से. यो. (बालक वर्ग- 1), भगत सिंह
शास. स्नात. महाविद्यालय, जावरा



भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जावरा
(सम्बद्ध: सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन)

(राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ)

"बी-प्रमाण-पत्र विश्वविद्यालय स्तर पर प्रक्रियाधीन है"

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ (NSS) के 'बी' प्रमाण-पत्र हेतु निर्धारित समस्त गतिविधियों, शिविरों और मूल्यांकन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में मूल प्रमाण-पत्र सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के स्तर पर प्रमाणीकरण एवं निर्गमन (Issuance) हेतु प्रक्रियाधीन है। आधिकारिक प्रमाण-पत्र प्राप्त होते ही उसकी प्रति महाविद्यालय के अभिलेख विभाग में सत्यापन हेतु प्रस्तुत कर दी जाएगी।

दिनांक: 08/05/2026

स्थान: जावरा

सत्यनिष्ठा के साथ,

"मैं नहीं, आप"

(राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ)

हस्ताक्षर

(कार्यक्रम अधिकारी)

असिस्टेंट प्रो. श्यामलाल चौधरी
रा. से. यो. इकाई-2
(बालक वर्ग)

हस्ताक्षर

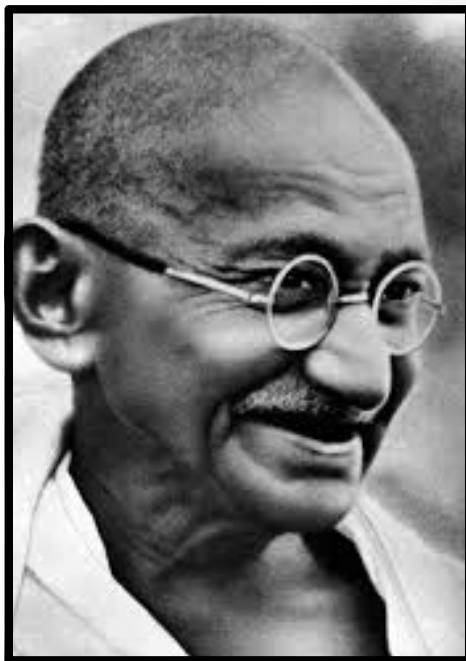
(NSS स्वयंसेवक)

राजकुमार चंद्रवंशी
एम.ए. (अर्थशास्त्र) द्वितीय
सेमेस्टर



“जो सत्य है, उसे साहसपूर्वक निर्भीक होकर लोगों से कहो—उससे किसी को कष्ट होता है या नहीं, इस ओर ध्यान मत दो। दुर्बलता को कभी प्रश्रय मत दो। सत्य की ज्योति ‘बुद्धिमान’ मनुष्यों के लिए यदि अत्यधिक मात्रा में प्रखर प्रतीत होती है, और उन्हें बहा ले जाती है, तो ले जाने दो; वे जितना शीघ्र बह जाएँ उतना अच्छा ही हैं।”

○ स्वामी विवेकानंद जी



"मेरा जीवन ही मेरा संदेश है"

"खुद को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है,
खुद को दूसरों की सेवा में खो देना"

"मैं ऐसे भारत के लिए काम करता हूं जिसमें
गरीब से गरीब व्यक्ति को भी यह महसूस होता
है कि यह उसका अपना देश है, जिसके
निर्माण में उसकी प्रभावशाली आवाज है।"

■ महात्मा गांधी



प्राक्कथन

“भारत की आत्मा गाँवों में बसती है” परंतु “ग्रामीण सशक्तिकरण” की राह में आज भी अज्ञानता और सूचना का अभाव सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ा है। सामाजिक कार्यों में अपनी सक्रिय भूमिका, “राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) से जुड़ाव और पंचायती राज व्यवस्था” के साथ जमीनी स्तर पर कार्य करने के दौरान मैंने यह अनुभव किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पर्याप्त जानकारी नहीं होने तथा अशिक्षा के कारण उनका लाभ उठाकर आज भी आम जनमानस का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष, दोनों रूपों में निरंतर शोषण हो रहा है।

विगत समय से “राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) और पंचायत” कार्यों से जुड़े होने के कारण मुझे निरंतर लोगों की समस्याओं को अत्यंत निकटता से सुनने, समझने और उनकी समस्या का समाधान करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मैंने यह भी अनुभव किया कि सरकार जन-कल्याण हेतु अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं लागू तो करती हैं, परंतु पर्याप्त जानकारी नहीं होने तथा अशिक्षा के कारण पात्र व्यक्ति बिचोलियो एवं भ्रमको का शिकार हो जाते हैं तथा ग्रामीण समुदाय इन योजनाओं को चुनाव से जोड़ते हैं और शासकीय योजनाओं से वंचित रह जाते हैं।

“राष्ट्रीय सेवा योजना और पंचायत” द्वारा आयोजित केम्प माध्यम से सर्वे और जन-संपर्क के दौरान मैंने पाया कि एक बड़ी आबादी के पास आज भी उनके अधिकारों से जुड़े अनिवार्य दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। मैंने व्यक्तिगत रूप से ग्रामीणों की ऐसी अनेक समस्याओं को निकटता से सुनने, समझने और उनकी समस्या के निराकरण में सहयोग दान करने का प्रयत्न किया, जिनमें आधार कार्ड व वोटर आईडी को पुनः प्राप्त करना या नए कार्ड बनवाना और नाम, पता व जन्म तिथि की त्रुटियों में सुधार करवाना, आय, जाति एवं मूल निवासी प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेज बनवाने में जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल रहे हैं।

इसके साथ ही विशेष रूप से, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आयुष्मान भारत, सम्भल कार्ड, राशन कार्ड, समग्र परिवार व सदस्य आईडी, लाडली बहना योजना आदि के संदर्भ में ग्रामीण जन से चर्चा करते हुए मैंने अनुभव

किया कि वर्तमान में भी अज्ञानता के कारण लोग इन शासकीय सुविधाओं से वंचित हैं। समय-समय पर ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों के आयोजन और जन-संपर्क के माध्यम से लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का निरंतर प्रयास किया है। इन गतिविधियों से न केवल समाज को लाभ हुआ, बल्कि मुझे भी प्रतिदिन नए अनुभव प्राप्त करने और ग्रामीण परिवेश की वास्तविक चुनौतियों को समझने का अवसर मिला।

मार्गदर्शन की कमी और सूचनाओं के अभाव के कारण जो शोषण का चक्र चल रहा है, उसे तोड़ने के लिए जन-जागरूकता ही एकमात्र विकल्प है। इसी उद्देश्य और अनुभव को आधार बनाकर मैंने अपनी इस परियोजना रिपोर्ट का विषय चुना है—“ग्रामीण सशक्तिकरण: पंचायती राज और सरकारी योजनाओं के प्रति जन जागरूकता एवं सहयोग हेतु एक अभियान” (ग्राम— ग्राम बोरदा, बन्नाखेड़ा, आक्याबेनी, माऊखेड़ी, नयानगर, दूधाखेड़ी, मोकाखेड़ा, माखनपुरा, इस्लामनगर एवं NSS कैंप ग्राम बंडवा, बाराखेड़ा, माऊखेड़ी, हरियाखेड़ा के विशेष सन्दर्भ में)

मैं इस सेवा कार्य और सीखने की प्रक्रिया को भविष्य में भी निरंतर जारी रखना चाहता हूँ, क्योंकि इससे न केवल असहाय लोगों की मदद होती है, बल्कि मुझे स्वयं को भी कुछ नया सीखने और समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को निभाने की आत्म-संतुष्टि प्राप्त होती है। मुझे विश्वास है कि मेरा यह अनुभव आधारित विश्लेषण ग्रामीण समाज की वास्तविक स्थिति को दर्शाने में सार्थक सिद्ध होगा।

राजकुमार चंद्रवंशी
एम.ए. (अर्थशास्त्र) द्वितीय सेमेस्टर

आभार

मैं, राजकुमार चंद्रवंशी, अपने इस प्रोजेक्ट "ग्रामीण सशक्तिकरण: पंचायती राज और सरकारी योजनाओं के प्रति जन जागरूकता एवं सहयोग हेतु एक अभियान" के सफल समापन पर उन सभी महानुभावों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मेरा मार्गदर्शन किया और मुझे प्रेरित किया।

सर्वप्रथम, मैं हमारे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.जी. पठान सर का अत्यंत आभारी हूँ, जिनके संरक्षण और कुशल नेतृत्व के कारण हमें समाज सेवा के इस गरिमामयी मंच पर कार्य करने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

मैं अपने वर्तमान कार्यक्रम अधिकारी असिस्टेंट प्रो. श्यामलाल चौधरी (बालक वर्ग-1), प्रो. नीलू कौशिक (बालिका वर्ग-2) तथा वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विद्या तिवारी मैम एवं डॉ. बी.एस. किराडे सरके प्रति विशेष आभार व कृतज्ञता प्रकट करता हूँ। आपके निरंतर मार्गदर्शन, समृद्ध अनुभव, बहुमूल्य सुझावों और सतत प्रेरणा ने इस परियोजना को पूर्ण करने में मेरी आधारभूत सहायता की है।

मैं अपने माता-पिता एवं भाई-बहन का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जो मेरी प्रेरणा के अटूट स्रोत रहे हैं और जिनके मार्गदर्शन ने ही मुझे सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित होने का साहस प्रदान किया।

साथ ही, मैं मैं पूर्व कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया, डॉ. नारायण पाटीदार (बालक वर्ग-1) एवं प्रो. संगीता जटिया मैम (बालिका वर्ग-2), महाविद्यालय के शिक्षकगण डॉ. मंजुला एलान्से, डॉ. आभा सक्सेना, प्रो. दुष्यन्त भदौरिया, डॉ. शैलेन्द्र कुमार चौरसिया, प्रो. लवकुश पाटीदार, डॉ. सरिता बैरवा और प्रो. प्रीति मैम का भी आभारी हूँ, जिन्होंने समय-समय पर अपने ज्ञान और अनुभव, तकनीकी एवं व्यावहारिक सुझावों से इस कार्य को गुणवत्ता प्रदान की।

इसके अतिरिक्त, मैं अपने वरिष्ठ स्वयंसेवक राहुल शर्मा, अब्बास बोहरा, शैलेन्द्र सिंह, बबलूदास बैरागी, संदीप मालवीय, कन्हैयालाल पाटीदार तथा अपने अन्य समस्त ऊर्जावान स्वयंसेवक साथियों का भी धन्यवाद करता हूँ। आप सभी के सहयोग, सामंजस्य और आत्मीयता के बिना इस सात दिवसीय शिविर और प्रोजेक्ट कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करना संभव नहीं होता।

अंत में, मैं ग्राम सचिव, सहायक सचिव, सरपंच महोदय, पंचसदस्य तथा उन समस्त ग्रामीणजनों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने हमारे कैंप, सर्वे और जागरूकता अभियानों में न केवल उत्साहपूर्वक भाग लिया, बल्कि हमें पूर्ण सहयोग भी प्रदान किया।

NSS स्वयंसेवक

राजकुमार चंद्रवंशी

एम.ए. (अर्थशास्त्र) द्वितीय सेमेस्टर

अनुक्रमणिका

S.N.	अध्याय नाम (Chapter Name)	पृष्ठ संख्या (Page No.)
01.	कवर पेज (Cover Page)	i-iii
02.	घोषणा पत्र (Certificate)	iv-v
	2.1 छात्र का घोषणा- पत्र	
	2.2 संस्था का घोषणा पत्र	
03.	प्राक्कथन (Preface)	ix- x
04.	आभार (Acknowledgement):	xi
05.	राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) परिचय	01-02
	5.1 इतिहास (History)	
	5.2 मूल मंत्र (Motto)	
	5.3 उद्देश्य (Objectives)	
	5.4 प्रतीक चिन्ह (Emblem)	
	5.5 नियमित गतिविधियाँ (Regular Activities)	
	5.6 विशेष शिविर (Special Camping)	
	5.7 प्रमाण पत्र (Certificates)	
	5.8 महत्व (Significance)	
6.	ग्रामीण सशक्तीकरण: पंचायत राज एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जन-जागरूकता एवं सहयोग	03-04
	6.1 प्रस्तावना (Introduction)	
	6.2 मुख्य उद्देश्य (Objectives)	
	• पंचायती राज के प्रति समझ विकसित करना	
	• सरकारी योजनाओं का प्रसार	
	• ग्राम सभा में भागीदारी बढ़ाना	
	• डिजिटल साक्षरता और सशक्तीकरण	
	• पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा	
	• सहयोग और सामूहिकता की भावना	

7. कार्य योजना (Action Plan / Methodology) 05

- 2.1 चरण 1: प्रारंभिक सर्वेक्षण एवं समस्या की पहचान (Baseline Survey)
- 7.2 चरण 2: सूचना केंद्र और व्यक्तिगत संपर्क
- घर-घर दस्तक (Door-to-Door Campaign)
 - हेल्प-डेस्क (Help Desk)
- 7.3 चरण 3: सामूहिक जागरूकता गतिविधियाँ (Mass Awareness Activities)
- दीवार लेखन और पोस्टर
 - नुक्कड़ सभाएं
 - डिजिटल प्रशिक्षण
- 7.4 चरण 4: पंचायत के साथ समन्वय (Coordination with Panchayat)

8. प्रमुख योजनाओं का विवरण (Detailed Focus Areas) 06-07

- 8.1 आयुष्मान भारत (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना - PMJAY)
- 8.2 महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA)
- 8.3 प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN)
- 8.4 प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (PMAY-G)
- 8.5 उज्ज्वला योजना (LPG Connection)
- 8.6 सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना (Social Security Pension Schemes)
- 8.7 मुख्यमंत्री जन कल्याण 'संबल' योजना (Sambal Yojana)

9. कार्य योजना के प्रमाण पत्र, छाया चित्र एवं न्यूज़ रिपोर्ट 08-21

10. चुनौतियां (Challenges) 22

- 10.1 सूचना का अभाव और रूढ़िवादिता
- 10.2 डिजिटल साक्षरता की कमी
- 10.3 दस्तावेजों की कमी
- 10.4 बिचौलियों का प्रभाव
- 10.5 भाषा और संचार

11. परिणाम और प्रभाव (Outcome/Impact) 23

- 11.1 योजनाओं के प्रति बढ़ी जागरूकता
- 11.2 दस्तावेजों का अपडेशन
- 11.3 ग्राम सभा में भागीदारी की प्रेरणा
- 11.4 डिजिटल सशक्तिकरण
- 11.5 बिचौलियों के प्रभाव में कमी
- 11.6 पेंशन लाभार्थियों की पहचान

12.	निष्कर्ष (Conclusion)	24
13.	सुझाव (Suggestions)	25
13.1	सूचना का सरलीकरण	
13.2	युवा मंडल का गठन	
13.3	ग्राम सभा का सशक्तिकरण	
13.4	डिजिटल कियोस्क	
14.	संदर्भ (Reference)	26
15.	"बी-प्रमाण-पत्र विश्वविद्यालय स्तर पर प्रक्रियाधीन है"	27
14.	My Inspirational	28



राष्ट्रीय सेवा योजना

(भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जावरा)

परिचय (About Us)

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा संचालित एक अत्यंत प्रभावशाली और सक्रिय छात्र विकास कार्यक्रम है, जिसकी शुरुआत 1969 में महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य 'स्वयं' से पहले 'सेवा' की भावना को जागृत करना है, जो इसके आदर्श वाक्य *"*Not Me, But You*"* (स्वयं से पहले आप) में स्पष्ट रूप से झलकता है। यह योजना छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें समाज की वास्तविक समस्याओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों की चुनौतियों से रूबरू कराती है। इसके माध्यम से युवा वर्ग सामुदायिक सेवा, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सुधार के कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है।



दृष्टिकोण और मिशन

NSS का व्यापक दृष्टिकोण एक ऐसे लोकतांत्रिक और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण करना है, जहाँ युवा अपनी ऊर्जा का उपयोग राष्ट्र के पुनर्निर्माण और सामाजिक समरसता के लिए करें। इसका मिशन छात्रों के भीतर सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को गहराई से विकसित करना है। इसके अंतर्गत छात्र जिस समुदाय में कार्य करते हैं, वहाँ की जरूरतों और समस्याओं को समझना, उनके समाधान में स्थानीय लोगों को शामिल करना और अपने ज्ञान का उपयोग करके व्यावहारिक हल निकालना शामिल है। यह मिशन युवाओं को राष्ट्रीय एकता, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करता है, ताकि वे एक संवेदनशील नागरिक बन सकें।

NSS का चयन क्यों करें?

NSS से जुड़ना किसी भी छात्र के लिए व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास बढ़ाने का एक बेहतरीन अवसर है। यहाँ छात्र न केवल टीम वर्क और नेतृत्व के गुण सीखते हैं, बल्कि उन्हें विभिन्न कैंपों के माध्यम से धरातल पर काम करने का अनुभव प्राप्त होता है, जिससे उनके सोचने का नजरिया बदलता है। इस सेवा के दौरान मिलने वाले **NSS 'B' और 'C' सर्टिफिकेट** न केवल भविष्य में उच्च शिक्षा और सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता दिलाने में सहायक होते हैं, बल्कि यह सामाजिक कार्यों के प्रति आपकी निष्ठा का प्रमाण भी होते हैं। सबसे बढ़कर, यह मंच आपको वंचित वर्गों की सेवा करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संतोष प्रदान करता है, जो जीवन भर के लिए एक अनमोल अनुभव बन जाता है।



राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

इतिहास (History)

NSS की स्थापना 24 सितंबर, 1969 को डॉ. वीकेआरवी राव के द्वारा महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर की गई थी। राधाकृष्णन आयोग (1948) ने शिक्षा के साथ समाज सेवा को जोड़ने का सुझाव दिया था, जिसे बाद में कोठारी आयोग (1964-66) ने भी दोहराया। अंततः 1969 में 37 विश्वविद्यालयों के 40,000 छात्रों के साथ इसकी औपचारिक शुरुआत हुई।

मूल मंत्र (Motto)

NSS का आदर्श वाक्य है: "स्वयं से पहले आप" (Not Me But You) यह वाक्य स्वार्थहीन सेवा के लोकतांत्रिक सिद्धांत को दर्शाता है और इस बात पर जोर देता है कि एक व्यक्ति का कल्याण पूरे समाज के कल्याण पर निर्भर है।

उद्देश्य (Objectives)

- छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना।
- सामुदायिक समस्याओं को समझना और उनके समाधान में योगदान देना।
- नेतृत्व क्षमता (Leadership) और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण विकसित करना।
- समूह में काम करने और कौशल साझा करने की आदत डालना।
- राष्ट्रीय आपदाओं के समय सहायता प्रदान करना।

प्रतीक चिन्ह (Emblem)

NSS का प्रतीक चिन्ह ओडिशा के कोणार्क सूर्य मंदिर के 'रथ चक्र' पर आधारित है।

- चक्र: यह सृष्टि की गतिशीलता और निरंतरता का प्रतीक है।
- नीला रंग: यह ब्रह्मांड का प्रतीक है जिसमें NSS एक छोटा हिस्सा है, जो मानव जाति के कल्याण के लिए तत्पर है।
- लाल रंग: यह स्वयंसेवकों के उत्साह, सक्रियता और ऊर्जा को दर्शाता है।



गतिविधियाँ (Activities)

नियमित गतिविधियाँ (Regular Activities): छात्र अपने शिक्षण संस्थान में रहते हुए प्रति वर्ष 120 घंटे समाज सेवा करते हैं (जैसे- वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, साक्षरता अभियान)।

विशेष शिविर (Special Camping)

किसी गोद लिए हुए गांव या बस्ती में 7 दिनों का आवासीय शिविर लगाया जाता है, जहाँ स्वयंसेवक सामुदायिक विकास के कार्यों को अंजाम देते हैं।

प्रमाण पत्र (Certificates)

NSS में सक्रिय भागीदारी के आधार पर तीन स्तर के प्रमाण पत्र मिलते हैं:

- 'A' प्रमाण पत्र: विद्यालय स्तर (10वीं/12वीं) पर मिलता है।
- 'B' प्रमाण पत्र: कॉलेज स्तर पर प्रथम वर्ष/दूसरे वर्ष की सेवा के बाद।
- 'C' प्रमाण पत्र: यह सर्वोच्च स्तर का प्रमाण पत्र है, जो कॉलेज में दो वर्ष की सफल सेवा और विशेष शिविर पूर्ण करने के बाद मिलता है।

महत्व (Significance)

- शैक्षणिक लाभ: कई विश्वविद्यालयों और नौकरियों में NSS प्रमाण पत्र (विशेषकर 'C' सर्टिफिकेट) के लिए बोनस अंक या प्राथमिकता दी जाती है।
- व्यक्तित्व विकास: यह छात्रों को आत्मविश्वास, अनुशासन और सार्वजनिक बोलने का अवसर प्रदान करता है।
- राष्ट्रीय एकता: विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्र एक साथ काम करते हैं, जिससे सद्भावना और एकता बढ़ती है।



अध्याय 1 : "ग्रामीण सशक्तीकरण: पंचायत राज एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जन-जागरूकता एवं सहयोग"

1. प्रस्तावना (Introduction)

"भारत का भविष्य गाँवों में निहित है"—महात्मा गांधी के इस विचार को धरातल पर उतारने के लिए 'पंचायती राज व्यवस्था' सबसे सशक्त संवैधानिक हथियार है। 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से स्थानीय स्वशासन को जो शक्ति दी गई, उसका मूल मंत्र था—'शासन में जनता की सीधी भागीदारी'। ग्रामीण सशक्तीकरण का अर्थ केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि ग्रामीण समाज को इतना जागरूक बनाना है कि वे अपने अधिकारों को पहचानें और विकास की प्रक्रिया में स्वयं निर्णय ले सकें।

वर्तमान समय में सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार के क्षेत्र में अनगिनत कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। परंतु जमीनी हकीकत यह है कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में 'सूचना के अभाव' (Information Gap) के कारण पात्र व्यक्ति इन योजनाओं के लाभ से कोसों दूर हैं। अक्सर बिचौलियों का हस्तक्षेप और सरकारी प्रक्रियाओं की जटिलता ग्रामीणों को उनके अधिकारों से वंचित कर देती है।

एक एनएसएस (NSS) स्वयंसेवक के रूप में, इस परियोजना के माध्यम से मैंने गाँव के अंतिम व्यक्ति तक पंचायती राज की कार्यप्रणाली को पहुँचाने, ग्राम सभा की बैठकों के प्रति रुचि जगाने और विभिन्न सरकारी पोर्टलों की जानकारी साझा करने का लक्ष्य रखा है। यह अभियान न केवल ग्रामीणों को 'लाभार्थी' से 'साझेदार' बनाने की दिशा में एक कदम है, बल्कि सामूहिक सहयोग के माध्यम से एक पारदर्शी और सशक्त ग्रामीण भारत के निर्माण की एक छोटी सी पहल है।

2. मुख्य उद्देश्य (OBJECTIVES)



इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को आत्मनिर्भर बनाना और शासन की मुख्यधारा से जोड़ना है। इसके विशिष्ट उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- **पंचायती राज के प्रति समझ विकसित करना:** ग्रामीणों को ग्राम पंचायत की त्रि-स्तरीय संरचना और उनके संवैधानिक अधिकारों (जैसे ग्राम सभा में मतदान और सवाल पूछने का अधिकार) के प्रति शिक्षित करना।

- **सरकारी योजनाओं का प्रसार:**

केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं (जैसे मनरेगा, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, और किसान सम्मान निधि) की पात्रता, लाभ और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना।

- **ग्राम सभा में भागीदारी बढ़ाना:**

ग्रामीणों को यह समझाना कि ग्राम सभा की बैठकें क्यों महत्वपूर्ण हैं और उनमें उनकी उपस्थिति गाँव के विकास कार्यों की योजना बनाने और निगरानी करने के लिए क्यों आवश्यक है।

- **जिटल साक्षरता और सशक्तिकरण:**

डिग्रामीणों को सरकारी मोबाइल ऐप्स (जैसे उमंग, ई-ग्राम स्वराज) और ऑनलाइन पोर्टलों के उपयोग के प्रति जागरूक करना ताकि वे बिचौलियों पर निर्भर रहे बिना स्वयं जानकारी प्राप्त कर सकें।

- **पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा:**

ग्रामीणों को 'सूचना का अधिकार' (RTI) और सामाजिक अंकेक्षण (Social Audit) जैसे उपकरणों के बारे में बताकर पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए प्रेरित करना।



- **सहयोग और सामूहिकता की भावना:**

गाँव के विकास के लिए पंचायत प्रतिनिधियों (सरपंच/पंच) और आम जनता के बीच बेहतर तालमेल और सहयोग का वातावरण तैयार करना।

अध्याय 2 : कार्य योजना



(Action Plan / Methodology)

इस परियोजना को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए मैंने एक सुव्यवस्थित कार्य योजना तैयार की, जिसे निम्नलिखित चार चरणों में क्रियान्वित किया गया:

चरण 1: प्रारंभिक सर्वेक्षण एवं समस्या की पहचान (BASELINE SURVEY):-

सबसे पहले मैंने गांव के विभिन्न वार्डों के लगभग 40-50 परिवारों का एक संक्षिप्त सर्वेक्षण किया। इसका उद्देश्य यह जानना था कि:

- कितने प्रतिशत ग्रामीणों को 'ग्राम सभा' की बैठकों की जानकारी है।
- कितने लोग प्रमुख सरकारी योजनाओं (जैसे आयुष्मान कार्ड या ई-श्रम) का लाभ ले रहे हैं।
- योजनाओं का लाभ न मिल पाने के पीछे मुख्य कारण क्या हैं (दस्तावेजों की कमी, इंटरनेट का अभाव या जानकारी न होना)।

चरण 2: सूचना केंद्र और व्यक्तिगत संपर्क (PERSONAL CONTACT & INFORMATION DESK):-

- घर-घर दस्तक (DOOR-TO-DOOR CAMPAIGN): मैंने व्यक्तिगत रूप से ग्रामीणों से मिलकर उन्हें उनकी पात्रता के अनुसार योजनाओं के बारे में बताया।
- हेल्प-डेस्क (HELP DESK): पंचायत भवन के पास एक अस्थायी सूचना केंद्र बनाया, जहाँ ग्रामीणों को फॉर्म भरने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों (आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र आदि) की सूची दी गई।

चरण 3: सामूहिक जागरूकता गतिविधियाँ (MASS AWARENESS ACTIVITIES):-

जागरूकता को व्यापक बनाने के लिए निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

- दीवार लेखन और पोस्टर: गांव के मुख्य चौराहों पर सरकारी योजनाओं के हेल्पलाइन नंबर और ग्राम सभा की अगली तारीख के पोस्टर लगाए।
- नुक्कड़ सभाएं: छोटे-छोटे समूहों में चौपाल पर बैठकें कीं, जहाँ "पंचायती राज में आपकी भागीदारी" विषय पर चर्चा की गई।
- डिजिटल प्रशिक्षण: गांव के युवाओं को 'उमंग' (UMANG) और 'ई-ग्राम स्वराज' ऐप का डेमो दिया गया, ताकि वे अपने फोन पर ही पंचायत के बजट और कार्यों को देख सकें।

चरण 4: पंचायत के साथ समन्वय (COORDINATION WITH PANCHAYAT):-

ग्राम प्रधान (सरपंच) और सचिव के साथ बैठक कर ग्रामीणों की समस्याओं (जैसे राशन कार्ड या पेंशन संबंधी शिकायतें) को उन तक पहुँचाया। ग्रामीणों को ग्राम पंचायत की विकास योजना (GPDP) में अपने सुझाव देने के लिए प्रेरित किया।



अध्याय 3 : प्रमुख योजनाओं का विवरण (Detailed Focus Areas)

अभियान के दौरान मैंने मुख्य रूप से निम्नलिखित 5 कल्याणकारी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया, जो ग्रामीण सशक्तिकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं:

▶ आयुष्मान भारत (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना - PMJAY):

गरीब परिवारों को गंभीर बीमारियों के लिए मुफ्त इलाज प्रदान करना।

- प्रमुख बिंदु: प्रति परिवार प्रति वर्ष ₹5 लाख तक का मुफ्त कैशलेस इलाज। मैंने ग्रामीणों को 'आयुष्मान कार्ड' बनवाने की प्रक्रिया और नजदीकी सूचीबद्ध अस्पतालों के बारे में जानकारी दी।

▶ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA):

ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिनों के गारंटीकृत मजदूरी रोजगार प्रदान करना।

- प्रमुख बिंदु: काम मांगने का अधिकार, 15 दिनों के भीतर मजदूरी का भुगतान, और बेरोजगारी भत्ता। मैंने ग्रामीणों को जॉब कार्ड (Job Card) की महत्ता समझाई।

▶ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN):

सीमांत किसानों को खेती की जरूरतों के लिए सीधी वित्तीय सहायता देना।

- प्रमुख बिंदु: ₹6,000 प्रति वर्ष की राशि तीन समान किश्तों में सीधे बैंक खाते में। मैंने किसानों को ई-केवाईसी (e-KYC) और ऑनलाइन स्टेटस चेक करने में मदद की।

▶ **प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (PMAY-G):**

सभी बेघर और कच्चे घरों में रहने वाले ग्रामीण परिवारों को पक्का घर बनाने के लिए वित्तीय सहायता देना।

- प्रमुख बिंदु: घर निर्माण के लिए ₹1.20 लाख (मैदानी क्षेत्र) की सहायता। मैंने पात्रता सूची में नाम देखने का तरीका ग्रामीणों को बताया।

▶ **उज्ज्वला योजना (LPG Connection):**

ग्रामीण महिलाओं को स्वच्छ ईंधन (LPG) उपलब्ध कराकर धुएँ से होने वाली बीमारियों से बचाना।

- प्रमुख बिंदु: मुफ्त गैस कनेक्शन और सब्सिडी। मैंने उन परिवारों की पहचान की जिन्हें अभी तक इस योजना का लाभ नहीं मिला था।

▶ **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN): सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना (Social Security Pension Schemes):**

समाज के असहाय, वृद्ध, विधवा और दिव्यांग व्यक्तियों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए मासिक आर्थिक सहायता प्रदान करना।

- प्रमुख बिंदु: इसके अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और दिव्यांग पेंशन शामिल हैं। मैंने ग्रामीणों को बताया कि कैसे 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति या पात्र महिलाएं अपनी पात्रता के अनुसार पेंशन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और बैंक खाते में सीधे राशि प्राप्त कर सकते हैं।

▶ **मुख्यमंत्री जन कल्याण 'संबल' योजना (Sambal Yojana):**

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को जन्म से लेकर मृत्यु तक सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करना।

- प्रमुख बिंदु: इस योजना के तहत बच्चों की शिक्षा के लिए प्रोत्साहन, दुर्घटना बीमा, अंत्येष्टि सहायता और प्रसूति सहायता (गर्भवती महिलाओं को आर्थिक मदद) जैसे लाभ मिलते हैं। मैंने ग्रामीणों को 'संबल कार्ड' के लाभ और इसके लिए पंजीकरण की प्रक्रिया समझाई।

अध्याय 4 : कार्य योजना के प्रमाण पत्र, छाया चित्र एवं न्यूज़ रिपोर्ट



SIR and Voter ID

SIR की जानकारी होते हुए ग्रामीण जनों को वोट के महत्व और पंजीकरण (Form 6) की जानकारी दी और चुनाव आयोग की कल्याणकारी योजनाओं और डिजिटल टूल्स (Voter Helpline App) का प्रचार किया

समग्र e-KYC

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही समग्र e-KYC के प्रति जागरूक किया और एक अनिवार्य प्रक्रिया के माध्यम से 'समग्र आईडी' को आधार कार्ड से जोड़कर नागरिक की जानकारी को सत्यापित की गई , ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुँचाने में मदद मिल सके।



मनरेगा e-KYC

मनरेगा e-KYC के प्रति जागरूक किया और एक अनिवार्य प्रक्रिया के माध्यम से e-केवाईसी कर ग्रामीण जनों की जानकारी को सत्यापित की गई , ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुँचाने में मदद मिल सके।



➤➤➤ बाराखेड़ा 7 दिवसीय शिविर

प्रतिदिन की तरह आज भी काम बाराखेड़ा में शिविर के दौरान की गई दिनचर्या का उल्लेख शिविर दर्पण के माध्यम से किया गया और अनावरण किया गया

माऊखेड़ी 7 दिवसीय शिविर <<<

ग्राम माऊखेड़ी में शिविर के दौरान सभी स्वयंसेवको परियोजना कार्य के लिए सामग्री का वितरण किया गया और कार्य योजना की जानकारी दी गई।



➤➤➤ हरियाखेड़ा 7 दिवसीय शिविर

ग्राम हरियाखेड़ा में शिविर के दौरान बाबा रामदेव जी के मंदिर प्रांगण में एक विशेष सफाई अभियान चलाया गया जिसमें प्रांगण की सफाई ग्रामीण जनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।



जावरा 1 दिवसीय शिविर <<<

एक दिवसीय कैंप के दौरान बालाजी मंदिर जावरा में मंदिर परिषद की सफाई और वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया तथा इसमें अधिक संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जावरा के मुख्य मार्ग होते हुए एक रैली भी निकल गई जिसमें लोगों को जागरूक किया गया।




महात्सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
 जावरा, जिला-लताम (म.प्र.)
राष्ट्रीय सेवा योजना
 संबद्धता
 सम्राट विक्रमादित्य विरचयितव्य संस्कृत उच्चैः
प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री डॉ. राजकुमार लखनवैज पिता रतनलालजी कक्षा M.A. II year
 ने राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत दिनांक 19/04/2024 से 25/02/26 तक ग्राम हरियारवंडा
 जिला लताम में आयोजित विशेष शिबिर में शिविरासी / दलनायक / स्वामी सहभागी के रूप में भागीदारी की।
 इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर स्थान प्राप्त किया।
 शिबिर में इनका कार्य प्रशंसनीय रहा। महाविद्यालय आपके उन्नतत्व भविष्य की कामना करता है।
 पुनर्वर्तमान प्रसन्नता पूर्वक सहर्ष यह प्रमाण - पत्र प्रदान किया जाता है।

काकाजी अतिरिक्तारी
 पत्र ले.जी. शुक्रासी 1

काकाजी अतिरिक्तारी
 पत्र ले.जी. शुक्रासी 2

प्रमाण
 मन्नालाल शेरत, पन्नात, महावि. जावरा

भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जातय, जिला स्वतन्त्रा (न.प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

संज्ञकता

विक्रम च. वि. ३३३

प्रमाणित किया जाता है श्री राजकुमार चन्द्रवंशी पिता नतनलाल जी
कक्षा बी. ए. तृतीय वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत दिनांक से २०२४ तक

प्राप्त किया गया है। निम्नलिखित विषयों में शिक्षित / अनुपान / स्थानीय सहभागी के रूप में भागीदारी की।

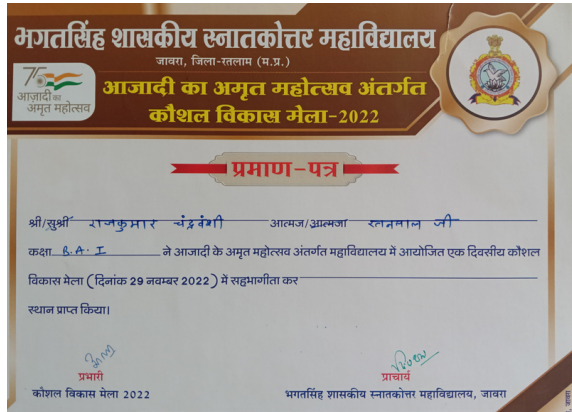
इन अवसर पर आयोजित प्रकृति रस प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर प्रथम प्राप्त किया। निम्न में इनका कार्य प्रदर्शित रहा।

एवं प्रस्तुत पूर्वक सहर्ष यह प्रमाण - पत्र प्रदान किया जाता है।

R. Singh
कायकर्म अधिकारी
जो. जे. न. न. न. न. न.
स. स. स. - १

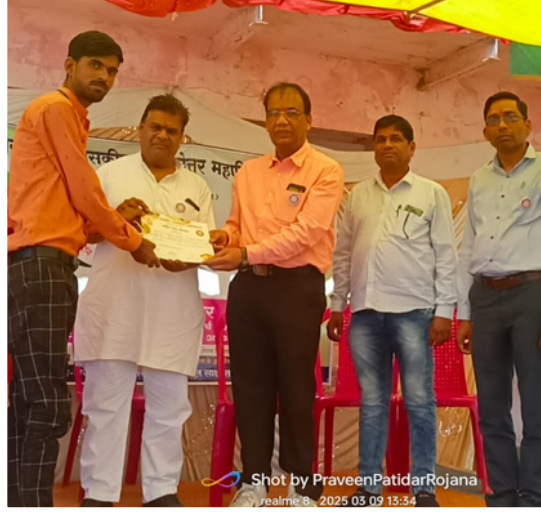
S. Singh
कायकर्म अधिकारी
जो. जे. न. न. न. न.
स. स. स. - २

प्राप्त
डॉ. ए. जी. चक्रवर्ती
भारतीय शा. म. म. म. म. म.





Shot by PraveenPatidarRojana
realme 8 2025 03 08 11:05



Shot by PraveenPatidarRojana
realme 8 2025 03 09 13:34



Shot by PraveenPatidarRojana
realme 8 2025 03 08 11:51



Shot by PraveenPatidarRojana
realme 8 2025 03 08 06:44



Shot by PraveenPatidarRojana
realme 8 2025 03 08 13:03



Shot by PraveenPatidarRojana
realme 8 2025 03 08 12:02



Shot by PraveenPatidarRojana



Shot by PraveenPatidarRojana





Harivak



2026.02.19



30.09.2024



One Day Camp
Jaora

भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जावरा



NEWSPAPER

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय सेवा योजना का 55 वॉ स्थापना दिवस मनाया गया

भगत सिंह

भगत सिंह शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना वर्ष की 55 वॉ वर्षगांठ प्रभारी प्राचार्य डॉ. विद्या विहारी की उपस्थिति में मनाई। इस अवसर पर सर्वप्रथम माँ सरस्वती के लघुचित्र पर मान्यार्पण और ऐन प्रजननित कर संगीत विभाग द्वारा प्रस्तुत की गई। मंचासीन प्रतिभागियों का एन एस एस बैज और मान्यार्पण कर कार्यक्रम में आत्मसेवा विभिनंदन किया गया। राजना, हरणकला, निकितु और आवाशा ने प्रतिक रूप से एन 'एस का 'लक्ष्य' प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व कार्यक्रम प्रभारी और महाविद्यालय के पूर्व छात्र स्वर्णसेवक राहुल शर्मा, अन्वयस



बोडग, कन्वेंशनल पार्टीर का भी बैज और मान्यार्पण कर सम्मान किया गया।

राष्ट्रिय के 55वें स्थापना दिवस पर आयोजित किए गए अभिमुखीकरण कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं वरिष्ठ शिक्षक जगदीश उपमन्नु ने बताया कि कितान से

अंक हासिल कर सकते हैं, लेकिन एनएसएस हमारे जीवन के सर्वांगीण विकास में उत्प्रेरक का कार्य करता है।

यह छात्र/छात्राओं को तुलनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान करता है और उनके

व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में संवरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना से प्राप्त प्रमाण-पत्र स्वर्ण सेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक होते हैं। इसमें सभी विद्यार्थियों को अपने सर्वांगीण विकास हेतु एन एस एस की सदस्यता ग्रहण करने की बात कही।

प्राचार्य डॉ. विद्या विहारी ने अपने अध्यक्षीय उद्घोष में एन एस एस में आयोजित होने वाले विभिन्न शिविरों की जानकारी देते हुए कहा कि कुछ अपना

बहुमूली विकास कर सकते हैं। उन्होंने इसके अन्तर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी.एस. शिवाडे ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए फिर जाने वाले प्रमाण पत्रों की जानकारी देकर उसके महत्व को बताया। इस अवसर पर वरिष्ठ स्वर्णसेवकों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम में डॉ. मंजुला अग्रहारे, डॉ. आभा सम्मेलना, डॉ. शकाना निकहत अंसारी, डॉ. प्रीति वर्मा, डॉ. सरिता शेरवा, डॉ. रश्मि पाल, डॉ. दुष्यंत कुमार भट्टारिया, डॉ. मनिषा पाटी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. रमेश रमेश वसुनिधा ने किया। आभार रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिधा ने माना।

रासेयो शिविर में निःशुल्क नेत्र परीक्षण व स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

दैनिक अवलोकन

भगत सिंह शासकीय महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. ए.जी. पटान के मार्गदर्शन में महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले शिविर के छठवें दिन जय कैला माता शैक्षणिक एवं सामाजिक कल्याण समिति रतलाम के तत्वावधान में स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया। स्वास्थ्य परीक्षण की टीम में चौईधराम नेत्रालय हॉस्पिटल इंदौर के द्वारा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत



माँ सरस्वती का पूजन कर, राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतीक महापुरुष स्वामी विवेकानंद के चित्र पर मान्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मंजुला अग्रहारे ने की विशेष अतिथि डॉ. भावना भट्ट रही। प्रो. संगीता

जटिया व डॉ. समता मेहता भी इस अवसर पर मंचासीन रही। नेत्र परीक्षण की टीम में डॉक्टर अवनी भावसार, डॉक्टर ऋषिकेश जावंजल नेत्र परीक्षक ने बताया कि हमें नेत्र परीक्षण करवाना क्यों आवश्यक है इस हेतु उन्होंने सभी को जानकारी प्रदान कर प्रेरित किया।

स्वास्थ्य परीक्षण में कुल 125 व्यक्तियों का नेत्र परीक्षण किया गया। इस अवसर पर डॉ. मनप्रीत सिंह गंधीर, डॉ. नितिन बडेजा, सरपंच मंजूवाला जीवन सिंह आंजना, जनपद सदस्य पुष्कर मालवीय सहित पूर्व स्वर्णसेवक प्रकाश सूर्यवंशी और राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थी, ग्रामीणजन और स्कूल के प्रधानाध्यापक शांतिलाल चौहान आदि उपस्थित थे। उपकार्यालय प्रभारी ठाकुर गुवराज सिंह राणावत, मंदसौर उप कार्यालय प्रभारी पीडित गौरव शर्मा, पीडित विजय शर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अन्वयस बोहरा ने किया आभार रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिधा ने माना।

लिए गड्डे खोदे और पौधरोपण किया। वहीं परिसर में श्रमदान कर सफाई की। स्वयंसेवक अब्बास बोहरा, राहुल शर्मा, शैलेंद्रसिंह के नेतृत्व में शिविरार्थियों ने श्रमदान किया। सरपंच धापूकुंवर सोलंकी भी मौजूद थीं।

NEWSPAPER

हरियाली

पर्यावरण संतुलन की दृष्टिकोण से पौधे रोपना अति आवश्यक

विद्या वन तैयार कर किया पौधारोपण

नईदुनिया न्यूज, जावरा: भगतसिंह शासकीय महाविद्यालय में मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विद्या वन को लेकर पूर्व में गठित, विद्या वन समिति में शासन की मंशानुरूप लिए गए।

निर्णय के परिपालन में शासकीय महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद बालक छात्रावास प्रांगण के सामने दीवार समीप खाली पड़ी जमीन पर विद्या वन विकसित करने के निर्णय को लेकर प्राचार्य डा. एजी पठान की अध्यक्षता में मंगलवार को विद्या वन में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान अंतर्गत पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में न्यायालय के पदाधिकारी, डा. विद्या तिवारी, डा. मंजुला अलांसे, डा. बीएस किराडे, डा.

शबाना अंसारी, डा. दुष्यंत कुमार भदौरिया, लवकुश पाटीदार एवं गीर फाउंडेशन के दीपेंद्रसिंह आदि



ने सक्रिय सहभागिता कर प्राध्यापकों की उपस्थिति में विद्या वन में अभियान के चलते 151 पौधे लगाए।

प्राचार्य पठान ने कहा कि अगर हम पेड़ों की देखभाल नहीं करेंगे, तो हम अपनी देखभाल नहीं कर पाएंगे। इस धरा पर शुद्ध प्राणवायु लेने हेतु हमें अधिकाधिक

पौधारोपण करना होगा जिससे हम आने वाली पीढ़ी के जीवन संरक्षण के साथ वसुंधरा को हरा-भरा रख सकें। रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया ने कहा कि समिति के निर्णयानुसार निर्मित विद्या वन में पीपल, शीसम, नीम, गूलर, बरगद, सीताफल, जामुन, महुआ आदि वृक्षों के पौधे लगाए हैं ये भविष्य में वृक्ष का रूप लेकर हमारे जीवन के आधार बनेंगे। पौधारोपण पर्यावरण संतुलन की दृष्टिकोण से भी अति आवश्यक है, ये हमें भीषण गर्मी से बचाने के साथ भरपूर वर्षा कराने में अपनी महती भूमिका निभाते हैं। अंत में सभी ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प भी दोहराया।

राज एक्सप्रेस



जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत दिलाई गई शपथ

● जावरा / राज न्यूज नेटवर्क

भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य एजी. पठान ने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि जल ही जीवन है और इसका संरक्षण हमारा कर्तव्य है। उन्होंने जल संरक्षण के तरीकों और जल स्रोतों को प्रदूषण मुक्त रखने की

अपील की। छात्रों ने नदियों और तालाबों को स्वच्छ रखने तथा जल संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर श्यामलाल चौधरी (एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, इकाई-एक) ने किया और आभार प्रोफेसर डॉ. नीलू कौशिक (एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, इकाई-2) ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

एड्स से डरने की बजाय इसे समझने की ज्यादा जरूरत है : डॉ. उपाध्याय

भगतसिंह कॉलेज में एड्स विषय पर हुआ व्याख्यान, विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई

जावरा | विश्व एड्स दिवस पर भगतसिंह कॉलेज में रेड रिबन क्लब ने एड्स विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें सिकल अस्पताल के सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ. प्रकाश उपाध्याय ने कहा कि एचआईवी एड्स होना जीवन का अंत नहीं है। ये एक लाइलाज बीमारी जरूर है लेकिन चिकित्सकीय मदद से एड्स पीड़ित व्यक्ति भी सामान्य जीवन जी सकता है। सबसे ज्यादा जरूरी है इसे फैलने से रोकना और वह तभी संभव होगा जब सभी लोग जागरूक होंगे। इससे डरने की बजाय समझने की जरूरत है। डॉ. उपाध्याय ने इयुन सिम्टय ट्रुलर रखने के लिए कम नमक उपयोग, भोजन में मोटे अनाज व सब्जियों को शामिल करने, व्यायाम के टिप्स दिए। कॉलेज प्राचार्य डॉ. एजी पठान ने कहा कि एड्स के बारे में जानकारी और बचाव ही इसकी रोकथाम का एकमात्र उपाय है। इसीलिए अन्तर्गत रेड रिबन क्लब प्रमारी प्रो. रमेश वसुनिया ने बताया कि



कॉलेज प्रोफेसर, स्टाफ व विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. प्रकाश उपाध्याय।

एड्स जागरूकता पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। स्लेमन फिरो चौधरी प्रथम, निक्ता पण्मार द्वितीय, मोनिका मेहरा तृतीय, पोस्टर स्पर्धा में अश्विका घाटिया प्रथम, संस्कार चौधरी द्वितीय, निधि ओस्तवाल तृतीय, निबंध लेखन में निरुण धक्कड़ प्रथम, फिरो चौधरी द्वितीय, पवन कुमार तेली तृतीय, प्रश्नोत्तरी में यश राठौर प्रथम, विलीप राठौर द्वितीय, शीतल वैष्णव तृतीय स्थान पर रहे। इन्हें पुरस्कृत किया

गया। डॉ. आभा सक्सेना, गायत्री अरोड़ा, डॉ. नारायण पाटीदार, डॉ. भवना भट्ट, डॉ. माया पंत, डॉ. समता मेहता, प्रवी मेहता, डॉ. नीलू कौशिक, डॉ. शबाना निक्कत अंसारी, डॉ. प्रीति वर्मा, दर्शन पंड्या, डॉ. सरीता वैष्णव, डॉ. रश्मि पाल, डॉ. शानो खान, लवकुश पाटीदार आदि मौजूद थे। संचालन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया ने किया। आभार प्रोफेसर संगीता जटिया ने माना।

दैनिक भास्कर, दिनांक 02/12/2023

NEWSPAPER

कालेज स्टूडेंट्स ने निकाली रैली



भास्कर संवाददाता | जावरा

एड्स जनजागृति अभियान के तहत शुक्रवार को नेहरू युवा केंद्र रत्नलाम और रेड रिबन क्लब द्वारा संयुक्त रूप से जागरूकता रैली निकाली गई। जो भगतसिंह कॉलेज से शुरू हुई। रैली के दौरान अब्बास बोहरा ने एड्स का ज्ञान-बचाए जान, एड्स से डरना नहीं-समझना होगा.. जैसे नारे लगाए। रेड रिबन क्लब के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया ने कहा एचआईवी संक्रमण रोकने का एकमात्र तरीका है

एचआईवी की रोकथाम संबंधी जानकारी व सूचनाएं पहुंचाना है। लोगों को इस बीमारी के दुष्परिणामों से अवगत कराया। रैली चौपाटी, बस स्टैंड, गांधी चौक, गांधी कॉलोनी होते हुए पुनः कॉलेज पहुंची जहां नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव ने बताया असुरक्षित यौन संबंधों और अन्य कारणों से यह बीमारी होती है। बीमारी के वायरस शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को प्रभावित करते हैं। इसका इलाज ही जागरूकता है। रेड रिबन क्लब के छात्रों सहित

राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर का शुभारंभ

जावरा। नगर के भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का शनिवार को ग्राम बाराखेड़ा में सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर का शुभारंभ भारतीय संस्कृति की अति प्राचीन और गौरवशाली परंपरा का निर्वहन करते हुए मां सरस्वती, राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतीक महापुरुष स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान शिविर में शामिल छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर एनएसएस के लक्ष्य गीत का गायन किया। शिविर शुभारंभ सत्र में प्राचार्य प्रतिनिधि डा. विद्या तिवारी ने स्वागत भाषण दिया। वक्ताओं ने शिविर में संचालित होने वाली प्रत्येक गतिविधियों के बारे में विस्तार से विद्यार्थियों को बताया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया ने सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर में होने वाली गतिविधियों में स्वच्छता को लेकर गतिविधियां, मतदाता जागरूकता, अभियान

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत की साफ-सफाई

नईदुनिया न्यूज, जावरा: भगतसिंह शासकीय कालेज में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत प्राचार्य डा. विद्या तिवारी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई बालिका वर्ग कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संगीता जटिया, बालक वर्ग के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया के संयुक्त नेतृत्व में स्वच्छता गतिविधियां महाविद्यालय में निरंतर आयोजित की जा रही हैं।

बुधवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान कार्य में प्राध्यापक डा. मंजुला अल्लांस की उपस्थिति में एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों ने हमारा परिसर स्वच्छ हो के उद्देश्य से कचरा, प्लास्टिक व गाजरघास को उखाड़कर परिसर की सफाई कर



जावरा के शासकीय कालेज परिसर की सफाई करते स्वयंसेवक। • नईदुनिया

स्वच्छता का संदेश दिया। सभी विद्यार्थियों से प्रत्येक सप्ताह में कम से कम दो घंटे स्वच्छता को लेकर श्रमदान अवश्य करने करने हेतु प्रेरित किया। सुखी, स्वस्थ एवं निरोगी और दीर्घायु जीवन के लिए साफ-सफाई के महत्व को भी विद्यार्थियों को समझाया। आयोजित स्वच्छता

गतिविधि में विद्यार्थियों ने सफाई कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

आलोट के शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय पिपलिया सिसोदिया में स्वच्छता ही सेवा के तहत विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। उन्हें बताया गया कि जीवन में सफाई और स्वच्छता का काफी महत्व है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से प्रेरणा लेकर हमें हमेशा अपने घर, परिसर और सभी जगह को स्वच्छ बनाए रखना चाहिए। शाला के आनंद चावला, रमेशचंद्र पाटीदार, कल्पना शाक्य, प्रमिला रावत, फिरोज खान, आदि उपस्थित रहे।

NEWSPAPER

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ

महाविद्यालय में विद्या वन तैयार कर पहले चरण में रोपे गए 151 पौधे

हमें पेड़ों की अधिक से अधिक देखभाल करना होगी: प्राचार्य डॉ. एजी पठान



विद्या वन में पौधारोपण करते विद्यार्थी।

जवहर / राज न्यूज नेटवर्क

म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निदेशानुसार विद्या वन को लेकर गठित विद्या वन समिति द्वारा लिए गए निर्णय के परिपालन में महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद बालक छात्रावास प्रांगण की सीमा पर समीप खाली पड़ी जमीन पर विद्या वन विकसित किया गया।

भगतसिंह महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एजी पठान की अध्यक्षता में मंगलवार को विद्या वन में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में सत्र न्यायालय पदाधिकारी, डॉ. विद्या तिवारी, डॉ. मंजुला अलामे, डॉ. आभा सक्सेना, डॉ. बीएस किराडे, डॉ. नीतू कौशिक, डॉ. राहुल कौशल, डॉ. रीना जैन, डॉ. सहदेव घोष, प्रो. हितेश मित्तल, डॉ.

भाटी, डॉ. यशवंत शिंदे, लवकुश पाटीदार, गीर फाउंडेशन प्रभारी दीपेंद्रसिंह, स्वयंसेवक नीरज पाटीदार, संदीप मालवीय, रवि सेन, रंजना गोयल, राधा धाकड़, राजकुमार, संजना धाकड़, नीलम, अर्पिता आदि ने पहले ही चरण में 151 पौधे का रोपण किया। प्राचार्य डॉ. पठान ने कहा कि हमें पेड़ों की अधिक से अधिक देखभाल करना होगी।

इस धरा पर शुद्ध प्राणवायु लेने हेतु हमें अधिकाधिक पौधारोपण करना होगा, जिससे हम आने वाली पीढ़ी के जीवन संरक्षण के साथ वसुंधरा को हरा-भरा रख सकें। विद्या वन में पीपल, शीसम, नीम, गुलर, बरगद, सीताफल, जामुन, महुआ आदि वृक्षों के पौधे लगाए हैं। ये पौधे वृक्ष बनकर हमें भीषण गर्मी से बचाने के साथ भरपूर वर्षा कराने में अपनी महती भूमिका निभाते हैं। आधार रासेयो कार्यक्रम

भैसाना स्कूल प्रांगण में विभिन्न प्रजातियों के रोपे गए पौधे



पौधारोपण करते विद्यार्थी, उपस्थित अधिकारी व शिक्षक।

जवहर / अरुणन

शासकीय हाई स्कूल भैसाना में एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम संचालक ज्योति पटेल, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी जीएल आर्द, कलासिद्धा प्राचार्य संसरी, पूर्व खंड स्रोत समन्वयक

नीम, अमोघ, अमरुद, करव आदि प्रजातियों के पौधे रोपे गए। सखक संचालक पटेल ने कहा कि पौधे लगाना ही नहीं बल्कि उनकी देखभाल कर उन्हें बड़ा करने का हमारा तथ्य होना चाहिए। छात्रों को तैयार ने कहा कि सभी को अपने जन्मदिन या विशेष अवसर पर एक पेड़ लगाने का अवसर मिले। पौधारोपण में स्कूली छात्र-छात्राएं ने सभी पौधों की देखभाल करने

स्वच्छता पखवाड़े के तहत स्पर्धा की, विजेताओं को किया पुरस्कृत

भगतसिंह कॉलेज में नशामुक्ति की शपथ दिलाई

भारत संवाददाता / जवहर



भगतसिंह कॉलेज में विभिन्न स्पर्धा के विजेताओं को पुरस्कृत करते अधिकारी।

शासकीय भगतसिंह कॉलेज में प्रभारी प्राचार्य डॉ. विद्या तिवारी के निर्देशन में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। विभिन्न स्पर्धा के विजेताओं को पुरस्कृत किया। संगीत विभाग के छात्रों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। महाविद्यालयीन जनभागीदारी समिति अध्यक्ष प्रमोद रावल ने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों में स्वच्छता को शामिल करने की मांग की।

एनएसएस इकाई ने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। एक दिवसीय कैम में विभिन्न गतिविधियां हुईं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया ने बताया गांधी जयंती पर प्रतिभा पर माल्यार्पण किया। नशामुक्ति की शपथ के साथ स्वच्छता पखवाड़ा का समापन

हुआ। प्रशस्तित स्पर्धा में निक्ता मालवीय, राजकुमार चंद्रवंशी, रोशनी वर्तिया, निशित श्रीमाल, चित्रकला स्पर्धा में मिथिलेश कनिष्क, संस्कार चौधरी, महक कैथवास, निबंध स्पर्धा में किरण धाकड़, चेतनकुमार, रेणु जाटव विजेता रहे। विजेताओं को नकद राशि व प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया। डॉ. दुष्यंत कुमार भटौरिया, डॉ. मनीषा भाटी, लवकुश पाटीदार आदि मौजूद थे। संचालन प्रो. रमेश वसुनिया ने किया। आभार प्रो. संगीता जटिया ने माना।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के नेतृत्व में विद्या वन तैयार कर किया पौधारोपण

जवहर प्रतिनिधि / जवहर

भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महा विद्यालय प्राचार्य डॉ. एजी पठान की उपस्थिति में उच्च शिक्षा विभाग के निदेशानुसार विद्या वन को लेकर पूर्व में गठित, विद्या वन समिति में शासन की संज्ञानुसार लिए गए निर्णय के परिपालन में महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद बालक छात्रावास प्रांगण पर विद्या वन विकसित करने के निर्णय को अग्रिम में विद्या वन में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान अंतर्गत पौधारोपण किया गया।

आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में सत्र न्यायालय के पदाधिकारी, डॉ. विद्या तिवारी, डॉ. मंजुला अलामे, डॉ. आभा सक्सेना, डॉ. बीएस किराडे, डॉ. नीतू कौशिक, डॉ. राहुल कौशल, डॉ. रीना जैन डॉ. सहदेव घोष, प्रो. हितेश मित्तल, डॉ. नारायण पाटीदार, डॉ. शबाना अंसारी, डॉ. दुष्यंत कुमार, भटौरिया, डॉ. रमेश पाल, डॉ. मनीष भाटी, डॉ. यशवंत शिंदे, डॉ. सीरता वैरवा, प्रो. प्रीति वर्मा, लवकुश पाटीदार, एवं गीर



फाउंडेशन के प्रभारी दीपेंद्र सिंह और उनके साथी सहित समाजसेवी अक्कास बोहरा और महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक नीरज पाटीदार, संदीप मालवीय, रवि सेन, रंजना गोयल, राधा धाकड़, राजकुमार, संजना धाकड़, नीलम, अर्पिता आदि ने पहले ही चरण में 151 पौधे का रोपण किया। प्राचार्य डॉ. पठान ने कहा कि हमें पेड़ों की अधिक से अधिक देखभाल करनी होगी।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. पठान ने कहा कि चूंकि हम पेड़ों की देखभाल नहीं करेंगे, तो हम अपनी देखभाल नहीं कर पाएंगे। इस धरा पर शुद्ध प्राणवायु लेने हेतु हमें अधिकाधिक पौधारोपण

करना होगा जिससे हम आने वाली पीढ़ी के जीवन संरक्षण के साथ वसुंधरा को हरा-भरा रख सकें। रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया ने कहा कि समिति के निर्णयानुसार निर्मित विद्या वन में पीपल, शीसम, नीम, गुलर, बरगद, सीताफल, जामुन, महुआ आदि वृक्षों के पौधे लगाए हैं। ये पौधे वृक्ष बनकर हमें भीषण गर्मी से बचाने के साथ भरपूर वर्षा कराने में अपनी महती भूमिका निभाते हैं। अंत में सभी ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प भी दोहराया। समापन अवसर पर आधार रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संगीता जटिया ने माना।

स्वच्छता एवं पर्यावरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जवहर (नईदुनिया, न्यूज)।

भगतसिंह शासकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. एजी पठान द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया के नेतृत्व में रासेयो के स्वयंसेवकों तथा विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए महाविद्यालय प्रांगण में साफ-सफाई की। डॉ. दुष्यंत कुमार भटौरिया ने कहा कि हमें अपने पर्यावरण के प्रति सजग रहते हुए प्लास्टिक पूर्णतः बंद करना चाहिए। प्लास्टिक मानव जीवन में लगातार जहर घोल रहा है। मानव सुकृष्ट से लेकर शम तक प्लास्टिक का उपयोग करता है। जिसे मानव वरदान की तरह समझता है, दरअसल वह पर्यावरण, पशु और हम दोनों के लिए बहुत घातक है। प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाने बहुत ही आवश्यक है। अतः प्लास्टिक बंद का आह्वान कर कई कानून बनाए गए, यह भी स्वच्छता के प्रति एक अच्छा सखन्य कदम है। वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि गंदगी से कई तरह की



महाविद्यालय प्रांगण में साफ-सफाई करते रासेयो के स्वयंसेवकों तथा विद्यार्थी।

बीमारियां पैदा होती हैं जो मानव के विकास में बाधा डालती हैं। अतः स्वच्छता हमारे जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। स्वच्छता अपनकर ही हम बीमारियों को दूर कर सकते हैं। हमें अपने घर के अलगाव आसपास की स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। स्वच्छता को बनाए रखने के लिए हमें इधर-उधर कचरा नहीं फैलाना है, कचरा हमेशा कुड़ेदान में ही फेंकना चाहिए। कड़ा भी गलत है कि स्वच्छता में इंधन का बर्बाद होना चाहिए। अतः स्वच्छता को अपनकर और देश को आगे बढ़ाएं। बेहतर साफ-सफाई से ही भारत के प्रति करें। प्रो. रमेश वसुनिया ने कहा कि पर्यावरण की महत्वा और जागरूक को देखते हुए हमें पर्यावरण

की रक्षा के लिए जिम्मेदारी लेने चाहिए। हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट होकर काम करने की आवश्यकता है। तब ही हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित और हरा-भरा वातावरण छोड़ सकें। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं या कानूनों के आदेश पर संभव नहीं हो सकता। वह हम सभी को नैतिक जिम्मेदारी है। हमें अपने दैनिक जीवन में ऐसे आदतों को अपनाना होगा जो पर्यावरण के लिए अनुकूल हैं। हमें प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना चाहिए। जल संरक्षण और आवश्यक है, क्योंकि जल बिना जीवन संभव नहीं है। इस अवसर पर डॉ. सहदेव घोष, डॉ. रमेश पाल, डॉ. लवकुश पाटीदार आदि ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

NEWSPAPER

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय 26⁰²/₂₀₂₄ आवासीय शिविर का समापन

जावरा(नईदुनिया न्यूज)। एनएसएस की संयुक्त इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर का समापन हुआ। समापन सत्र से पूर्व कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया, प्रो.संगीता जटिया के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने तालाब की खोदाई कर तालाब को गहरा करते हुए पाल बंधान, विद्यालय प्रांगण, ग्राम पंचायत परिसर पर साफ-सफाई कर पौधों के लिए क्यारियां बनाने के पश्चात् पंचायत भवन के समीप निकले रोड के गड्ढों में मुरम डालकर उसका समतलीकरण, श्मशान घाट पर सुंदरीकरण का कार्य, शुजालपुर मातारानी के दरबार में सफाई, शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण, ग्रामीण बस्ती का सर्वे कार्य, जनजागृति के लिए रैली का आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मानसिक, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने के उद्देश्य से प्रतिदिन बौद्धिक कार्यक्रम के आयोजन हुए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और जनजागरुकता रैली ग्रामवासियों के लिए आकर्षक का केन्द्र रही। सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी के छायाचित्र चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलित कर समापन सत्र की शुरुआत की गई। स्वयंसेवकों द्वारा तिलक, माल्यार्पण कर अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डा. एसएस मौर्य अतिथि रहे। पूर्व प्राचार्य डा. एएन पालीवाल, संस्था प्राचार्य डा. एजी पठान, पंचायत सचिव शिवनारायण गहलोत के साथ डा. विद्या तिवारी, डा. बीएस किराडे, डा. रश्मि पाल, लवकुश



शिविर के समापन अवसर पर संबोधित करती डा. विद्या तिवारी। नईदुनिया

पाटीदार, स्वयंसेवक राहुल शर्मा, बबलूदास बैरागी, सुरेश परमार, कन्हैयालाल, प्रकाश सूर्यवंशी, समाजसेवी अशोक बैरागी मौजूद रहे। प्रो. रमेश वसुनिया ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए शिविर के पूर्ण उद्देश्य सिद्धि की बात कही। प्राचार्य डा. एजी पठान ने शिविर की सफलता और स्थापित अनुशासन को देखकर सभी को बधाई दी। जिला संगठक डा. एसएस मौर्य ने शिविर के संचालन और उद्देश्य को सौ फीसदी सफल बताते हुए इसकी सफलता का श्रेय रासेयो के कार्यक्रम अधिकारियों, पूर्व कार्यक्रम अधिकारी सहित समस्त सहभागी स्वयंसेवकों को दिया। ग्राम बाराखेड़ा के प्रकाश सूर्यवंशी, अशोक बैरागी सहित माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य सुनीता शर्मा, दुलेसिंह, शिक्षकों के साथ स्कूल के विद्यार्थियों ने शिविर की गतिविधियों में सहभागिता कर शिविरार्थियों को सहयोग प्रदान किया। शिविर में स्वयंसेवकों ने योग, प्रभात फेरी, प्रार्थना, ग्राम संपर्क, जनजागरुकता रैली, परियोजना कार्य आदि कार्य किए।

NEWSPAPER

दिनांक 24.09.24

विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं शौचालय का बताया गया महत्व



प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में परीक्षा देते विद्यार्थी।

जावरा। स्वच्छता ही सेवा अभियान के चलते स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता की धीम पर भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. विद्या तिवारी के मार्गदर्शन में व्यक्तिगत स्वच्छता एवं शौचालय का महत्व समझते हुए हाथ धुलाई कार्यक्रम किया। जिसमें विद्यार्थियों को कीटाणुओं से अधिकतम छुटकारा दिलाने के उद्देश्य से विद्यार्थियों में हाथ धोने की कला में निपुणता हासिल हो जिसके लिए हाथों पर थोड़ा साबुन लगाने के बाद बहते पानी के नीचे गीला कर साबुन को अपने हाथों के बीच रगड़कर झाग बनाई और हाथों को रगड़ते हुए उंगलियों और उनके बीच के स्थानों को साफ करते हुए अपने नाखूनों के नीचे के तल की सफाई करवाई। हाथों को धोने में कम से कम 25 सेकंड का समय देकर हाथों को पोंछने के लिए तौलिया प्रदान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया ने बताया कि विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हाथ धुलाई कार्यक्रम के पश्चात् 21 प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें 55 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मूल्यांकन समिति सदस्यों द्वारा मूल्यांकन किया जा रहा है। जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पखवाड़ा समापन के दिन आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रो. संगीता जटिया, डॉ. रश्मि पाल, डॉ. मनिषा भाटी सहित निशित श्रीमाल, निकिता मालवीय, मुकेश भाटी, राजकुमार रवि सेन, रंजना गोयल, धेता, पूजा कुंवर, विष्णु निनामा आदि रासेयो स्वयंसेवक सहित विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

माऊखेड़ी में 3 मार्च से लगेगा एनएसएस कैंप

भास्कर संवाददाता | जावरा

भगतसिंह कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय पूर्णकालिक आवासीय कैंप मुख्यालय से 18 किमी दूर गांव माऊखेड़ी के एकीकृत शासकीय मावि स्कूल परिसर में लगेगा। जो 3 से 9 मार्च तक चलेगा। कॉलेज प्राचार्य डॉ. एजी पठान ने बताया कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया, डॉ. दुष्यंत भदौरिया, प्रो. संगीता जटिया, डॉ. रश्मिपाल के नेतृत्व में एनएसएस के 100 स्वयंसेवक कैंप में शामिल होंगे। पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विद्या तिवारी, डॉ. बीएस किराड़े मार्गदर्शन देंगे।

प्रो. वसुनिया ने बताया एनएसएस कैंप गांव में लगाए जाते हैं। इसका उद्देश्य छात्रों को ग्रामीण परिवेश में जीवन की कठिनाईयों, समस्या और समाधान आदि से रूबरू कराना है। 28 फरवरी को एनएसएस इकाई में पंजीकृत स्वयंसेवकों में से कैंप लीडर का चयन होगा। कैंप के दौरान परिसर की सफाई, नशामुक्ति अभियान, मतदाता, जागरूकता, स्वच्छता, स्वास्थ्य, परीक्षण, क्यारी निर्माण, तालाब पर पाल प्रबंधन, ग्रामीण सड़क का समतलीकरण आदि कार्य होंगे।

विधिक सेवा पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी



जावरा। भगतसिंह कॉलेज में बुधवार को प्राचार्य डॉ. एजी पठान के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने विधिक सहायता सेवा कार्यक्रम के तहत परिचर्चा व नुक्कड़ नाटक आयोजित किया। इसमें छात्रों को विधिक सेवा संस्थाओं व उनके द्वारा संचालित की जा रही विधिक सेवाओं की जानकारी दी। स्पर्धा के विजेता कन्हैयालाल पाटीदार, राजकुमार चंद्रवंशी, राधा धाकड़ थे। रासेयो इकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया के अलावा मुकेश भाटी, अर्जुन, रवि सेन, प्रवीण पाटीदार आदि मौजूद थे।

नशा मुक्ति अभियान को लेकर छात्रों ने लिखी पाती 8/10/24



जावरा। भगतसिंह कॉलेज में प्राचार्य डॉ. विद्या तिवारी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने नशामुक्ति अभियान के चलते 'अपनों के नाम पाती' स्पर्धा की। रासेयो इकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वसुनिया ने बताया छात्रों ने अपनों के नाम पत्र लिखे। 'नशीले पदार्थों को अपनी कहानी न लिखने दें' की सलाह देते हुए तथ्य लिखे। बता दें कि कॉलेज में 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर नशामुक्ति की शपथ लेकर मध्य निषेध सप्ताह मनाया जा रहा है। 8 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।



अध्याय 5 : चुनौतियां (CHALLENGES)

ग्रामीण क्षेत्रों में जन-जागरूकता अभियान चलाना आसान नहीं होता। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे निम्नलिखित चुनौतियों का सामना करना पड़ा:

1

सूचना का अभाव और रूढ़िवादिता:

कई ग्रामीण आज भी पुरानी मान्यताओं के कारण नई सरकारी योजनाओं पर जल्दी भरोसा नहीं करते। उन्हें समझाना कि ये योजनाएं उनके हक के लिए हैं, एक बड़ी चुनौती थी।

2

डिजिटल साक्षरता की कमी:

ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्टफोन और इंटरनेट तो है, लेकिन सरकारी पोर्टलों और ऐप्स का सही इस्तेमाल करना बहुत कम लोग जानते हैं। उन्हें ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया समझाना काफी कठिन था।

3

दस्तावेजों की कमी:

जागरूकता के दौरान यह पाया गया कि कई पात्र परिवारों के पास आवश्यक दस्तावेज (जैसे अपडेटेड आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र या समग्र आईडी) सही तरीके से उपलब्ध नहीं थे।

4

बिचौलियों का प्रभाव:

गाँव में कुछ लोग ऐसे थे जो योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर पैसा वसूलते हैं। ऐसे लोगों के डर को दूर करना और ग्रामीणों को सीधे आवेदन के लिए प्रेरित करना चुनौतीपूर्ण रहा।

5

भाषा और संचार:

सरकारी नियम और शर्तें अक्सर जटिल भाषा में होती हैं। उन्हें स्थानीय बोलचाल की भाषा में सरल बनाकर ग्रामीणों तक पहुँचाने में काफी समय और मेहनत लगी।



अध्याय 6: परिणाम और प्रभाव (OUTCOME/IMPACT)

योजनाओं के प्रति बढ़ी जागरूकता

सर्वेक्षण के दौरान पाया गया कि जिन 50 परिवारों से मैंने संपर्क किया, उनमें से लगभग 80% लोग अब आयुष्मान भारत, संबल योजना और सामाजिक सुरक्षा पेंशन की पात्रता और आवेदन प्रक्रिया से पूरी तरह अवगत हैं।

ग्राम सभा में भागीदारी की प्रेरणा

ग्रामीणों को ग्राम सभा का महत्व समझाने के बाद, आगामी ग्राम सभा की बैठक में भाग लेने के लिए 25 से अधिक युवाओं और बुजुर्गों ने अपनी सहमति दी और गाँव के विकास कार्यों पर सवाल पूछने का साहस दिखाया।

बिचौलियों के प्रभाव में कमी

सीधे सरकारी प्रक्रियाओं की जानकारी मिलने से ग्रामीणों में आत्मविश्वास बढ़ा है, जिससे वे अब किसी भी काम के लिए बिचौलियों को पैसे देने के बजाय सीधे पंचायत कार्यालय जाने के लिए प्रेरित हुए हैं।

दस्तावेजों का अपडेशन

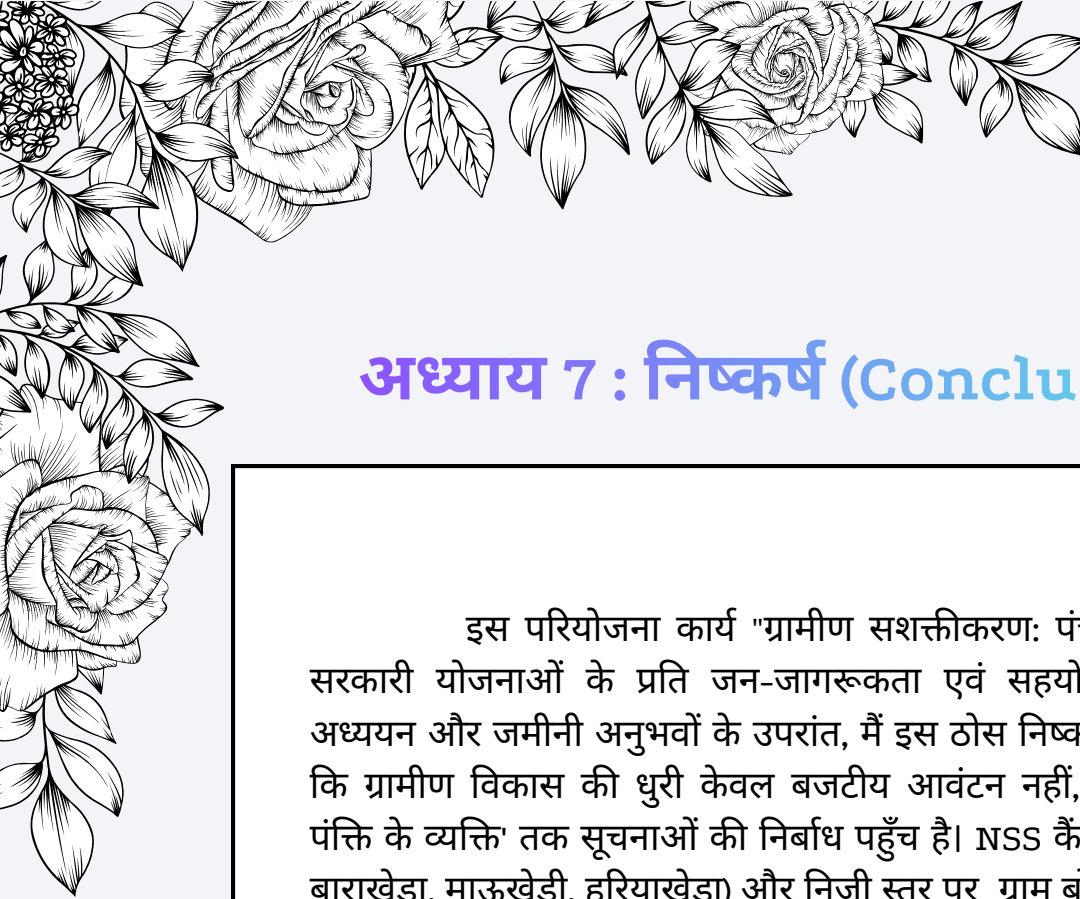
मेरे मार्गदर्शन के बाद गाँव के 15 से अधिक व्यक्तियों ने अपने आधार कार्ड में सुधार करवाया और 10 नए परिवारों ने संबल योजना के पोर्टल पर अपना पंजीकरण (Registration) शुरू किया।

डिजिटल सशक्तिकरण

गाँव के कम से कम 10 युवाओं ने अपने फोन में 'उमंग' (UMANG) और 'ई-ग्राम स्वराज' ऐप डाउनलोड करना सीखा, जिससे अब वे स्वयं और अपने पड़ोसियों के लिए सरकारी रिकॉर्ड चेक कर सकते हैं।

पेंशन लाभार्थियों की पहचान

अभियान के दौरान 3 ऐसी विधवा महिलाओं और 2 बुजुर्गों की पहचान की गई जो पात्रता के बावजूद पेंशन से वंचित थे। उनके आवेदन फॉर्म भरवाने में मदद की गई।



अध्याय 7 : निष्कर्ष (Conclusion)

इस परियोजना कार्य "ग्रामीण सशक्तीकरण: पंचायत राज एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जन-जागरूकता एवं सहयोग" के विस्तृत अध्ययन और जमीनी अनुभवों के उपरांत, मैं इस ठोस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि ग्रामीण विकास की धुरी केवल बजटीय आवंटन नहीं, बल्कि 'अंतिम पंक्ति के व्यक्ति' तक सूचनाओं की निर्बाध पहुँच है। NSS कैंप ग्रामों (बंडवा, बाराखेड़ा, माऊखेड़ी, हरियाखेड़ा) और निजी स्तर पर ग्राम बोरदा, बन्नाखेड़ा, आक्याबेनी, नाऊखेड़ी, नयानगर, दूधाखेड़ी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए गए सर्वेक्षणों से यह स्पष्ट हुआ है कि पंचायत राज व्यवस्था में निहित संवैधानिक शक्तियों और धरातल पर उनके क्रियान्वयन के बीच एक 'जागरूकता अंतराल' (Awareness Gap) विद्यमान है।

परियोजना के दौरान यह अनुभव किया गया कि सरकारी योजनाओं (जैसे मनरेगा, पीएम आवास, और उज्ज्वला योजना) की सफलता का सीधा संबंध जन-भागीदारी और सामुदायिक सहयोग से है। जब एक NSS स्वयंसेवक के रूप में हमने ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित किया, तो यह पाया कि लोग नवाचार और विकास के लिए तत्पर हैं, परंतु तकनीकी जटिलताओं और सूचना के अभाव के कारण वे अक्सर लाभ से वंचित रह जाते हैं।

इस अभियान ने मेरे भीतर केवल नेतृत्व क्षमता और धैर्य का संचार ही नहीं किया, बल्कि मुझे 'स्वयं से पहले सेवा' (Service Before Self) के वास्तविक अर्थ से भी परिचित कराया। ग्रामीणों की समस्याओं को सुनना और उन्हें समाधान की दिशा में प्रेरित करना एक अत्यंत संतोषजनक और परिवर्तनकारी अनुभव रहा। निष्कर्षतः, मेरा यह मानना है कि जब पंचायतों को सशक्त किया जाएगा और प्रत्येक ग्रामीण अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति सजग होगा, तभी महात्मा गांधी के 'ग्राम स्वराज' और एक 'आदर्श ग्राम' की संकल्पना वास्तविक रूप में साकार हो सकेगी।





अध्याय 8 : सुझाव (Suggestions)

ग्रामीण विकास की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए मेरे कुछ सुझाव निम्नलिखित हैं: नियमित सूचना शिविर: ग्राम पंचायतों को हर महीने 'योजना शिविर' लगाना चाहिए, जहाँ ऑन-स्पॉट फॉर्म भरे जा सकें और दस्तावेजों की कमियों को दूर किया जा सके।

सूचना का सरलीकरण:

सरकारी योजनाओं के नियम और शर्तों को स्थानीय भाषा और सरल चित्रों (Infographics) के माध्यम से पंचायत भवन की दीवारों पर प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

युवा मंडल का गठन:

गाँव के पढ़े-लिखे युवाओं का एक समूह बनाया जाना चाहिए जो तकनीक के माध्यम से बुजुर्गों और कम पढ़े-लिखे लोगों को सरकारी लाभ दिलाने में मदद करें।

ग्राम सभा का सशक्तिकरण:

ग्राम सभा की बैठकों का समय और एजेंडा कम से कम एक सप्ताह पहले सार्वजनिक रूप से मुनादी या सोशल मीडिया गुप्स के जरिए साझा किया जाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोग भाग ले सकें।

डिजिटल कियोस्क:

हर पंचायत में एक डिजिटल कियोस्क या 'कॉमन सर्विस सेंटर' की सुविधा अनिवार्य होनी चाहिए ताकि ग्रामीणों को छोटे से काम के लिए शहर न जाना पड़े।

संदर्भ (Reference)

इस परियोजना कार्य को पूर्ण करने के लिए मैंने निम्नलिखित प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों की सहायता ली है:

1. प्राथमिक स्रोत (Primary Sources):

- समूह चर्चा (Group Discussion) : NSS कैंप (ग्राम बंडवा, बाराखेड़ा, माऊखेड़ी, हरियाखेड़ा) के दौरान ग्रामीणों और युवा मंडलों के साथ की गई सीधी चर्चा।
- साक्षात्कार (Interviews) : ग्राम सरपंच, सचिव, सहायक सचिव और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से प्राप्त जानकारी।
- क्षेत्रीय सर्वेक्षण (Field Survey) : अध्ययन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामों (बोरदा, बन्नाखेड़ा, आक्याबेनी, माऊखेड़ी आदि) का व्यक्तिगत भ्रमण।

2. आधिकारिक वेबसाइट्स (Official Websites):

- राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) आधिकारिक वेबसाइट (URL): <https://nss.gov.in> (उपयोग: NSS के आदर्श वाक्यों, स्वयंसेवक के कर्तव्यों और सामाजिक सेवा के मानकों की जानकारी प्राप्त करने हेतु।)
- भारत सरकार (सरकारी योजनाओं से संबंधित)
 - पंचायती राज मंत्रालय: <https://panchayat.gov.in> (पंचायती राज व्यवस्था और ग्राम सभा के नियमों के लिए)
 - राष्ट्रीय पोर्टल (India.gov.in): <https://www.india.gov.in> (सभी प्रमुख योजनाओं जैसे PM-KISAN, मनरेगा और आवास योजना की विस्तृत जानकारी के लिए)
 - ग्रामीण विकास मंत्रालय: <https://rural.nic.in> (ग्रामीण बुनियादी ढाँचे और रोजगार योजनाओं के लिए)
- विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (URL): <https://vikramuniv.ac.in> (उपयोग: अकादमिक दिशा-निर्देशों, प्रोजेक्ट फॉर्मेट और विश्वविद्यालय द्वारा NSS गतिविधियों के संचालन संबंधी सूचनाओं के लिए।)
- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (URL): <https://yas.nic.in> (उपयोग: युवा सशक्तिकरण की नीतियों, राष्ट्रीय युवा नीति और NSS के प्रशासनिक ढाँचे को समझने के लिए।)

3. शैक्षणिक एवं साहित्यिक स्रोत (Academic Sources):

- NSS मार्गदर्शिका (NSS Handbook): राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रशिक्षण डायरी और सामाजिक सेवा संबंधी दिशा-निर्देश।
- समाचार पत्र (News Papers): ग्रामीण विकास की नवीनतम जानकारी हेतु दैनिक भास्कर, नई दुनिया और रोजगार समाचार के लेख।
- पत्रिकाएँ (Magazines): ग्रामीण विकास मंत्रालय की मासिक पत्रिका 'कुरुक्षेत्र' और 'योजना'।

4. तकनीकी एवं डिजिटल स्रोत (Digital Sources):

- सोशल मीडिया: MyGov.in, YouTube, Twitter (X), Whatsapp web सरकारी सूचना चैनलों के माध्यम से योजनाओं की प्रक्रिया का अध्ययन।
- मोबाइल ऐप्स: e-GramSwaraj, mActionSoft, UMANG और 'Gram Samvaad' ऐप के माध्यम से विकास कार्यों का अवलोकन।

4. मानवीय सहयोग (Acknowledgments):

- महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी और शिक्षकगण द्वारा दिया गया मार्गदर्शन।
- ग्राम पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों सरपंच, पंच, और सचिव, सहायक सचिव और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सहयोग।



My Inspirational

सुबह आपसे यह नहीं पूछती कि आप कल कौन थे।
यह चुपचाप खुलती है, बिना किसी शर्त के प्रकाश प्रदान करती है।
हर कदम, चाहे कितना भी छोटा क्यों न हो,
इस बात का प्रमाण है कि विकास अक्सर मौन में शुरू होता है।

आप अपने विकास में देर नहीं कर रहे हैं।
जो लोग आगे बढ़ते रहते हैं, उनके लिए समय झुक जाता है।

भले ही संदेह एक परछाई की तरह मंडराता रहे,
आशा आपके साथ चलना सीख जाती है।

शक्ति हमेशा ज़ोरदार या दिखाई देने वाली नहीं होती।

कभी-कभी यह धैर्य में निहित होती है,
एक अशांत दुनिया में दयालु बने रहने का चुनाव करने में,

सबूत मिलने से पहले ही विश्वास करने में।

उस बोझ को छोड़ दें जिसे उठाने के लिए आप कभी बने ही नहीं थे।
हर संघर्ष को आज हल करना आपका काम नहीं है।
सांस लें, मुक्त हों और शांति को अपने तरीके से आने दें।





Thank you



2026.05.08
rajvartiya43@gmail.com